CC – 6 [SEM – II]

ECONOMICS OF GROWTH & DEVELOPMENT

CLASS :- BY – Dr. Manisha Kumari

रोस्टोव की आर्थिक वृद्धि की अवस्थाएँ
(Rostow's Stages of Economic Growth)

रोस्तोवियन टेक ऑफ मॉडल .डब्लू. डब्लू रोस्तोव द्वारा विकसित किया गया है।

प्रो० रोस्टोव आर्थिक वृद्धि की प्रक्रिया को पाँच अवस्थाओं में विभक्त करते हैं:

(I) पारंपरिक समाज (The Traditional society)
(II) उड़ान के लिए पूर्व शर्तें (The Pre-conditions for takeoff)
(III) उड़ान भरना – (The Take of stage)
(IV) परिपक्वता की ओर अग्रसर The Drive of Maturity
(V) उच्च जन उपभोग का युग (The Age of high mass consumption)

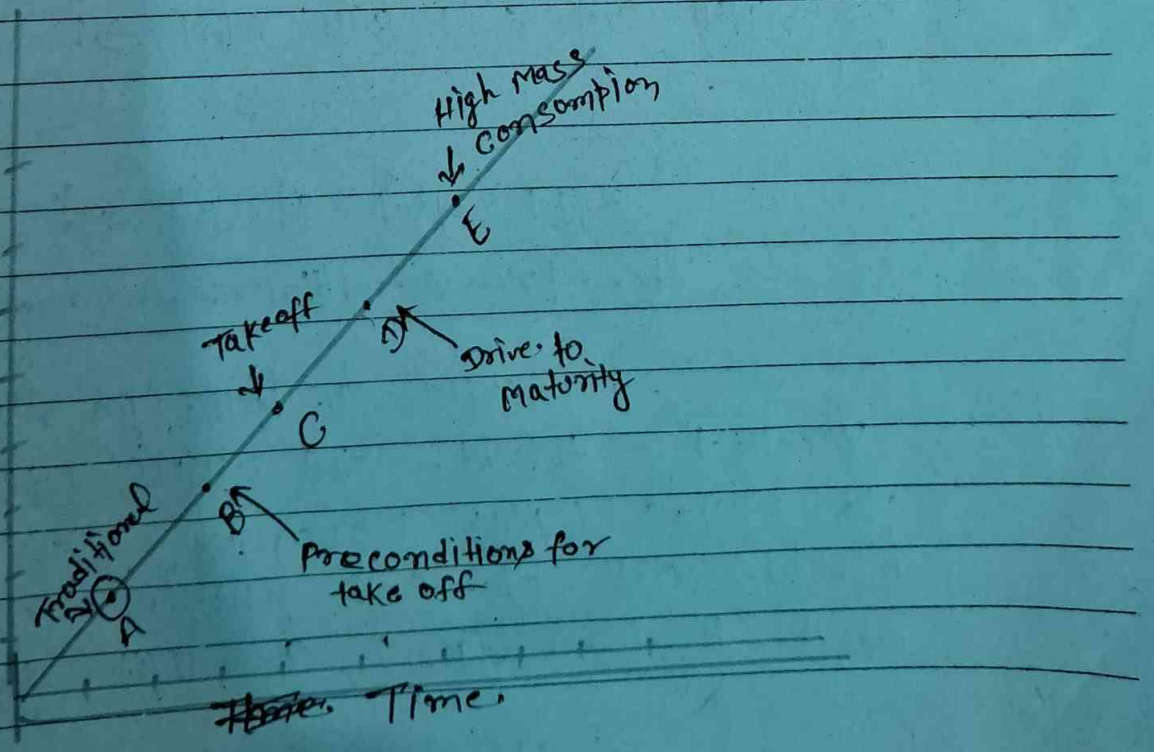

रोस्टो का विचार है कि देश इन सभी चरणों से काफी रैखीक रूप से गुजरते है जिसमें सभी चरणो में निवेश, उपभोग एवं सामाजिक प्रवृत्तियाँ मे परिवर्तन होता है। यह चरण या संक्रमण की स्थिति देश या क्षेत्र में अलग-अलग अवधि के हो सकते है।

पारंपरिक समाज (The Traditional Society)

रोस्टोव के अनुसार " परम्परागत समाज वह अवस्था है जिसके ढाँचे का विकास न्यूटन-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी पर आधारित सीमित उत्पादन-फलनो के भीतर होता है और जिसमे भौतिक जगत के प्रति न्यूटन-पूर्व मनोवृतियां रहती है।"

आर्थिक विकास के मानदंड इस समाज से पूरी तरह से अनुपस्थित है। प्रौद्योगिकी के पिछड़ेपन के कारण समाज में प्रति व्यक्ति उत्पादन की सीमा कम है। कृषि आय का मुख्य स्रोत होता है।

उड़ान भरने की पूर्व शर्ते

The - Pre- ~~Condition~~ Conditional For take-off)

उड़ान के लिए पूर्व स्थितियों का प्रोत्साहन मुख्यत: नव जागरण (the Renaissance) नव-राजतंत्र (New Monarchy), नव-जगत (The new world) तथा नव-धर्म आन्दोलन (the new Religion or the Reformation) के द्वारा होता है।

इस अवस्था में समाज खुद धर्मनिरपेक्ष शिक्षा की ओर अग्रसर होने लगता है। पूँजी जुटाने, कृषि में प्रौद्योगिकी लाने, बैंक एवं मुद्रा की स्थापना, उद्यमी वर्ग का गठन, निवेश के द्वारा आधारभूत संरचना के विकास पर बल दिया जाता है।

exam. — यूरोप में 15वीं शताब्दी के अन्त तथा 16वीं शताब्दी का प्रारम्भ में नवजागरण काल।

उत्प्रस्थान (Take off)

रोस्टोव के अनुसार "जब वृद्धि अपनी सामान्य स्थिति में आ जाती है — तो आधुनिकीकरण की शक्तियां स्वभावों तथा संस्थाओं के विरुद्ध संघर्ष करने लगती है। परम्परागत समाज के मूल्य तथा रूचियां अड़चनों को पार करती हुई निर्णायात्मक ढंग से आगे बढ़ जाती है। आर्थिक वृद्धि सामान्य रूप से ज्यामितीय गुणोत्तर (G.P) श्रेणी से बढ़ती है।

समाज परम्पाओं की तुलना में आर्थिक प्रक्रियाओं द्वारा अधिक संचालित होता है। इस स्टेज में आर्थिक विकास के मानदंड अच्छी तरह से स्थापित हो चुके होते है। इस अवस्था में रोस्टोव कहते है कि यह संक्रमण की अवस्था है। जहाँ पारंपरिक अर्थव्यवस्था से आधुनिक अर्थव्यवस्था में परिवर्तन होना प्रारम्भ हो जाता है। रोस्टोव के अनुसार संक्रमण का सार उचित ढंग से ही वर्णन किया जा सकता है कि यह ऐसे स्तर तक निवेश में वृद्धि की दर है; जो नियमित, पर्याप्त तथा प्रत्यक्ष रूप

से जनसंख्या - वृद्धि को पार करती है। संक्रमण लाने में प्रतिक्रियावादी राष्ट्रवाद प्रबल शक्ति के रूप में कार्य करता है।
जैसे — जापान में ऊँचे लाभों तथा नई निर्मित की गई उपभोक्ता वस्तुओं के नहीं, बल्कि 19वीं शताब्दी के चौथे दशक के प्रारम्भिक वर्षों में चीन में अफीम युद्ध के, तथा एक शताब्दी बाद कोमोडोर पेरी के सात काले जहाजों के प्रदर्शनकारी प्रभाव ने ही आधुनिकीकरण के लिए साँचा तैयार किया था।

उत्कर्ष (उत्प्रस्थान) की निम्न शर्तें है —
(a) उत्पादक निवेश की दर को राष्ट्रीय आय के लगभग 10% या उससे अधिक वृद्धि करेगा।
(b) वृद्धि की ऊँची दर वाले निर्माणकारी क्षेत्रों का विकास — प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र, तृतीयक क्षेत्र
(c) ऐसे राजनैतिक, सामाजिक तथा संस्थानिक ढाँचे का विकास जो आधुनिक क्षेत्र में विस्तार की प्रवृति को काम में लाए।